epaper
हिन्दुस्तान

सौर ऊर्जा से मिलेगी 4000 मेगावाट बिजली

22/03/2022

जल्द शुरू

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। उ.प्र. पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लि. बुंदेलखंड में ग्रीन इनर्जी कारीडोर के तहत ट्रांसमिशन लाइन बनाने का काम जल्द शुरू करेगा। ट्रांसमिशन लाइन के तहत प्रस्तावित 24 में से 22 विद्युत सब स्टेशनों के लिए स्थल चिन्हित कर लिए गए हैं। इन्हें बनाने का काम जल्द शुरू होगा। इससे प्रदेश को 4000 मेगावाट सौर ऊर्जा के जरिये बिजली मिल सकेगी।

ग्रीन इनर्जी कारीडोर-द्वितीय के तहत बुंदेलखंड क्षेत्र में 4000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य है। जिसके तहत यूपीनेडा द्वारा बनाए गए संयुक्त बेंचर टिस्को लि. को झांसी में 600 मेगावाट, ललितपुर में 600 मेगावाट तथा चित्रकूट में 800 मेगावाट का सोलर पार्क विकसित करने की जिम्मेदारी मिली है। इसके अलावा बुंदेलखंड सौर ऊर्जा प्रा. लि. 1200 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र विकसित करेगा। शेष 800 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का काम किसे दिया जाए इस पर भी मंथन चल रहा है।

ट्रांसमिशन के लिए बनेगी सेपरेट लाइन: इन सौर ऊर्जा पार्कों से उत्पादित बिजली को ग्रिड पर डालने के लिए सेपरेट ट्रांसमिशन लाइन बिछाने की जिम्मेदारी उ.प्र. पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लि. को दी गई है। कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक पी. गुरु प्रसाद के मुताबिक ट्रासमिशन के तहत 24 सब स्टेशन बनाए जाने हैं।

जिसमें से 22 के लिए भूमि चिन्हित कर ली गई है। 765 मेगावाट के जो बड़े सब स्टेशन बनेंगे उसके लिए सौर ऊर्जा पार्कों में भूमि मिल रही है। कुछ सब स्टेशनों के लिए सरकारी भूमि उपलब्ध हो रही है। जहां पर किसानों की भूमि सब स्टेशन के लिए ली जानी है वहां संबंधित डीएम से इसके लिए बात की गई है। कारपोरेशन किसानों से जरूरी भूमि की खरीद जल्द करेगा। एमडी के मुताबिक ट्रांसमिशन लाइन के एप्रुवल व टेंडर की प्रक्रिया अगले तीन-चार महीने में पूरी कर काम शुरू करने की तैयारी है।